बिजली वितरण का सर्टिफिकेट कोर्स चलाएगी बीआरपीएल, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ने किया अधिकृत

नई दिल्लीः 26 अक्टूबर, 2015। स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ने, बिजली वितरण के क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स संचालित करने के लिए बीआरपीएल को अधिकृत किया है। इस कोर्स का नाम होगा– कॉम्पिटेंसी सर्टिफिकेट इन पावर डिस्ट्रिब्यूशन यानी सीसीपीडी। पंजाबी बाग स्थित बीआरपीएल के टेक्निकल सेंटर को यह कोर्स चलाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसके साथ ही, बीआरपीएल उत्तर भारत की एकमात्र ऐसी कंपनी बन गई है, जिसे इग्नू के प्रख्यात स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ने बिजली वितरण के क्षेत्र में, कौशल विकास कार्यक्रम को संचालित करने के लिए चुना है। इस कोर्स के संचालन के लिए इग्नू की ओर से बीआरपीएल के 17 अधिकारियों को चुना गया है। यह कोर्स जहां डिस्कॉम्स और राज्य इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड्स के फील्ड स्टाफ को उच्चस्तरीय व्यावहारिक व सैद्धांतिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराएगा, वहीं यह बिजली ऑपरेशन व मेंटेनेंस संबंधी कार्यों के लिए टैलेंट की कमी को भी पूरा करेगा।

दरअसल, बिजली कंपनियों में बड़ी संख्या में ऐसे फील्ड स्टाफ हैं, जिनके पास काम करने का अनुभव तो पूरा है लेकिन वे इस काम के लिए औपचारिक रूप से प्रशिक्षित नहीं हैं। सीसीपीडी का उद्देश्य यह है कि फील्ड में काम करने वाले सभी कर्मियों को औपचारिक रूप से तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाए। यह कोर्स बिजली वितरण के काम में लगे अप्रशिक्षित कर्मियों को न सिर्फ व्यावसायिक योग्यता यानी प्रोफेशनल क्वालिफिकेशन देगा, बल्कि उनकी कार्यक्षमता व दक्षता में भी सुधार लाएगा और उन्हें आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर काम को पूरा करने के योग्य बनाएगा।

कोर्स का प्रारूप क्या होगा, इसका निर्धारण इग्नू ने प्रख्यात शिक्षाविदों और सीबीआईपी व अन्य संस्थानों के विशेषज्ञों की मदद से किया है। इस कोर्स की अवधि छह महीने की होगी और 60 छात्रों बैच का होगा। साल में दो बार यानी जुलाई और जनवरी में इस कोर्स में एडमिशन लिया जा सकता है। इस कोर्स में थ्योरी के दो पेपर हैं और एक प्रैक्टिकल होगा। इस कोर्स में विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा कम से कम 60 घंटों की व्यावहारिक व सैद्धांतिक ट्रेनिंग दी जाएगी। कोर्स पूरा करने के बाद प्रतिभागियों को इग्नू की ओर से सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।

कोर्स में जिन बातों पर मुख्य तौर पर फोकस रहेगा, वे हैंः

- बिजली वितरण की बारीकियां
- बिजली नेटवर्क व उपकरणों की सुरक्षा
- वितरण सिस्टम के प्रमुख टूल्स
- ट्रांसफॉर्मर, डिस्ट्रिब्यूशन बॉक्स, स्विचगियर, मीटरिंग
- वितरण के दौरान होने वाली बिजली की क्षति
- बिजली उत्पादन व ट्रांसमिशन
- ओवरहेड व अंडरग्राउंड नेटवर्क
- अपनी व उपभोक्ताओं की सेफ्टी

कोर्स पूरा करने के बाद प्रतिभागी, बिजली वितरण के कार्यों को ठीक से समझ पाएंगे, और लाइनों व उपकरणों के रखरखाव समेत बिजली वितरण से जुड़ी तमाम गतिविधियों को बेहतर ढंग से अंजाम दे पाएंगे।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीआरपीएल और बीवाईपीएल अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।